“संपूर्ण जीवसृष्टि की शाश्वतता” (सस्टेनिंग ऑल लाइफ) जलवायु संकट से निपटने के लिए एक व्यापक और शक्तिशाली आंदोलन के निर्माण में आने वाली बाधाओं को दूर करने का काम करता है। ये बाधाएँ निम्नानुसार हैं:

- राष्ट्रों और जन समुदायों के बीच लंबे समय से चला आ रहा विभाजन (उत्पीड़न और विशेष रूप से नस्लवाद और वर्गवाद से उत्पन्न)
- यह सोच कि अब बहुत देर हो चुकी है और कोई भी कार्रवाई अप्रभावी होगी,
- जलवायु आपातकाल स्वीकार न करना या उससे जुड़ने में विफलता,
- जलवायु संकट और हमारी आर्थिक प्रणाली की विफलताओं के आपसी संबंधों को प्रभावशाली तरीके से सुलझाने में आनेवाली कठिनाइयाँ

© 2022 Sustaining All Life